

इलाहाबाद विकास प्राधिकरण

पत्रांक : ७६ / प्र०आ० भवन / जोन-१ / २०१३-१४ डिनांक ५६ / ११ / २०१३

अनुभवि-पत्र

... यह अनुसारी दृष्टिकोण नियेते जन वापा विकल अधिनियम 1875 की बाल 14 व 15 के शाहंगत दी गयी है। किन्तु इसी वक्त न लापक्षन आया है कि लख भूमि के सन्वद्ध में जिस पर प्रसापिया आपासीय भवन आवश्यक स्थीरता किया जा रहा है, इससे फैसी प्रकार या किसी रूपानीय निकाल या इसलाल द्वारा विकारी या अविकारी अवाल एवं के साथ लागा अडिलार्हा पर फैसी का लैहा याकूब पढ़ाये अवश्य यह अनुग्रह विकारी के निलेवात्मक या स्थानित के आधिकार्यों के द्वितीय कोई प्रगति न लखेगी।

“श्री रामेश्वर मुख्य, जयपुर नगरपाल पुरुष श्री गणेश लाल जायपुराल द्वारा पार्ट आण नजूल की होल्ड मुख्यमंत्री संसद्या-१४ उपविष्टाजत भुक्तार्थ संसद्या-१४/। एवं १०/६ लार्ज डायन इलाउचाव दोन अंड्या (१) वे अंड्या फारमार्क्स रघन निर्णय की अनुमती देणे वालिस गवर्नर नविंकर के प्रस्तावित गवर्नर एवं निर्माण ली शास्त्रमति नियानाकिंत देवयने के आदेत ब्रह्मन की जाती है :-

- उम्पट नंबर नियोनेट एवं देलास क्षेत्रियिक १९७३ की दस्ता १५८ (८) के प्रशिक्षणों के अनुरूप मूर्तिजा एमार एवं प्राप्त होने वे पत्रक हैं उम्पट/अधिकारी क्षेत्रिय जापेगा, भारत नियोग सर्वोदय इनप्रियो २०१० द्वारा बोली संख्या-२.१.४ ५०३-३.८ में विधिरिट, प्रक्रिया पूरी तरह पूर्णता प्रणाली-पत्र प्राप्त जाना आवश्यक है।
 - गठु रोडो अन्वेषण (Provisional) एवं जारी की रूप हो जाती है। क्षेत्रिय पूर्ण होने वे उपलब्ध, उनी अवधिकारी Mandatorily Clearances/N.O.C द्वारा दूर्घटना के बढ़ने के बढ़ द्वारा इस प्रोसेस को गास्ट्रिक उपयोग में लाना जा चलता।
 - स्थान नंबर ४५३ फँट का इक बोर्ड लगाकर स्पॉक्षनी रापन्यी दिखाया अधिक बनाया होगा।
 - स्थान नंबर ०४ जहान बृक्ष लगाना होगा तथा बृक्षों की हर-ए-एक रक्तने का दावेदार अधेदल का होगा।
 - स्थान पर रेनाल्ड फ्लाइटेंट का कार्ड गाना के अनुसार पूर्ण कठोरण गू-गूर्ह जठं बोंड से ज्ञान पर प्राप्त यस्ता होगा।
 - स्थान पर सोलर बाट्टर हाईटर संबंध की लकड़ियां दिखाया जाना अवश्यक हैगा।
 - स्थान पर सामूहिक विकास कार्ड स्लॉट फूर्झ जर उक्त का संवेजन Existing सर्वोंकर से बदला होगा।
 - स्थान का अधिकारी/एक्स्प्लोरर रक्कल आपरेशन प्रोटोकल ढेनु वी गेय जागेगा। इन ज्ञ लक्षित जान/तजी से बिल्डर नियोग होगा।
 - गन्नार्थ व्यायालाल में कोई याद जोने अवश्य लगान होने वी लिंगार्थी में इन्होंने ५०% लुटि महानामे नगरालय के नियोग के अधीन होगी। सामिल अधिकारी जिसी ही विवर पर मानविक लज्जे बिल्डर जन-जन्म जाएगा।
 - वर्दे अदेवक इस कोई महाल्यांपूर्ण दुर्जना लिप्तिर्थी नहीं है बृक्षना गठन सूल्ता वी गगों हैं तो उप्रोग नंबर नियोग ८०८ विलास अधिकारी १९७३ ली धारा १५ (८) से शर्तान्वय नामिनीब्र नियोग गार्हे योग्य होगा।
 - गठु सीधोकृत पद कैफल बीच गर्व की अवधि के लिए है।
 - स्थान नियोग दे यादे जाने के रास्क की पर्ती अथवा जालन से नहो ले किले पान जो भकान के उपभाग, पूर्ण भन्न अधिक उसके आकार के बारां उक गई हो। गो गति पहुँचे हो यूडल्यांपी तिथर ही जान पर १५ दिन के नीत्र अन्या योदे चैलां प्राणेवरन ने एक लिंगिल चूमना छारा और दौध कहा हो तो भवत्व ही उसे अपने लह्चे से न्यायन करावर पूर्वपरा अन्धा जिं से विकास प्रविकरण के अन्दर ही जाए, तेव वर देप।
 - यूह नियोग के चापय इशाला वी ध्यन ज्ञना होगा, जो गार्लीब विद्युत अधिकारीन १९६४ (लूप्लियन इलेक्ट्रिकरी अन्दा १९६५) नियोग ११८-११८ उत्तराधिन (जिसी वी दशा में न दोना जाओगे)। नदे नियोग प्रायिकत्ता वी जानकारी से ऐसे सहजे पाये गये हो तो वह ऐसे नियोग लो रोक अथवा इन्हा राक्षा हो।
 - आधेदल को नियोगमुस २ दिकाल प्राइवेटकरण के नका द्वी बीच तक तथा इन तक नन जाने एवं उसके पूर्ण हो जाने की सुधारा दक्षान दावाद होने से दूर्घट देना जोग तथा उस अद्वानो का नन गी देन हो। जिनके नियोग से भजन नियित हुआ है।
 - यदि नियोग में नास्तर स्पारा का उल्लंघन होता पाया गया हो तो नियोगकर्ता लो दो नई रखेक्षी १५ समझी जाएगी और किन गगा नियोग आविकत योषेत लर उक्त आधानेवर की पाश २७ (८) से अन्तर्गत कार्यवाई अस्त्र की जाएगी।

ਭਾਰੀ ਲਾਪਿਕਲਾਈ (10000—)
ਵਾਡਾਬਾਦ ਪਿਕਾਰ ਮਾਨਸਿਕਤਾ,

